5+

VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
R N
27 AUG 2018
NO. 03
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1070)

Name of Candidate	सुनिल कुमार धनवन्ता		
Medium Eng./Hindi	हिन्दी	Registration Number	109506
Center	KB	Date	27 अगस्त, 2018

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Shrenis were very sound and stable institutions, and enjoyed considerable moral and social prestige not only among their own members, but in society at large. In light of the statement, explain the significant aspects of Shrenis or Guilds in ancient India. **(150 words) 10**

श्रेणियाँ बेहतर और स्थिर संस्थाएं थीं, जिनकी न केवल अपने सदस्यों के मध्य बल्कि समाज में भी काफी नैतिक और सामाजिक प्रतिष्ठा थी। इस कथन के आलोक में, प्राचीन भारत में श्रेणियों या गिल्ड्स के महत्वपूर्ण पहलुओं की व्याख्या कीजिए।

श्रेणियाँ समान कार्य वाले उत्पादकों एवं व्यापारियों के स्वायत्त संगठन थे जो उनके हितों को पूरा करने का प्रयत्न करते थे। ये श्रेणियाँ व्यवसाय के अनुसार अलग-अलग प्रकारों में विभाजित होती थी। इनका प्रचलन प्राग मौर्य काल में प्रारंभ होकर गुप्त काल के उत्तरार्द्ध तक था।

श्रेणियों की विशेषताएँ

→ ये स्वायत्त संगठन थे तथा इनमें राज्य का हस्तक्षेप न्यूनतम था

→ विवाद निपटारे हेतु इनके अपने न्यायालय होते थे जिन्हें श्रेणी न्यायालय कहा जाता था

→ इनके लिए एक आचार संहिता होती थी जिसे श्रेणीधर्म की संज्ञा दी जाती थी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ ये सामाजिक व्यवस्था एवं संस्कृति के संरक्षण का प्रयास भी करते थे

→ कई श्रेणियों का विदेशी राज्यों के साथ भी व्यापारिक संबन्ध होता था

→ श्रेणियों के प्रमुख को श्रेणीप्रमुख तथा व्यापार में मार्गदर्शक को सार्थवाह कहा जाता था

इस प्रकार अपनी विशिष्टताओं के माध्यम से ये समकालीन अर्थव्यवस्था एवं समाज की अत्यन्त प्रतिष्ठा वाली संस्थाएँ थी जो मुक्त व्यापार के सिद्धान्त का समर्थन करती थी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. The Marathas failed to fill the political vacuum created by the decline of the Mughal Empire because of a number of reasons. Discuss. **(150 words) 10**
मराठे कई कारणों से मुगल साम्राज्य के पतन से निर्मित राजनीतिक निर्वात को भरने में विफल रहे। चर्चा कीजिए।

1707 ईस्वी में औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात, उसके कमजोर उत्तराधिकारियों के कारण मुगल साम्राज्य का पतन हुआ।

इस काल में भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में मराठे अत्यन्त शक्तिशाली बनकर उभरे तथा अनेक विद्वान यह मानते थे कि मराठे मुगलों द्वारा प्रस्तुत राजनीतिक निर्वात को भरने में सक्षम थे परन्तु निम्नलिखित कारणों से यह संभव नहीं हो सका

→ मराठों की घरेलू राजनीति में पेशवा एवं छत्रपति के मध्य विवाद के कारण वे अपना संपूर्ण ध्यान इस ओर नहीं दे पाते थे

→ पेशवा बाजीराव के उत्तराधिकारी बालाजी बाजीराव की अदूरदर्शिता के कारण मराठे

अहमदशाह अब्दाली के साथ पानीपत के तृतीय युद्ध संलग्न हो गये। इस युद्ध में मराठों की करारी हार ने उनकी प्रतिष्ठा को काफी ठेस पहुँचायी।

अनेक विद्वान इस युद्ध के पश्चात यह मानते थे कि कम से कम मराठे तो मुगलों के उत्तराधिकारी नहीं बनेंगे

इसे बाद अंग्रेजों के साथ विवाद, निजाम के साथ विवाद के कारण मराठों का पतन आरंभ हो गया तथा अंततः अंग्रेजों ने उनकी सत्ता का अधिग्रहण कर लिया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The East India Company as a political power had long been dead, what the Act of 1858 did was to give its corpse a decent burial. Analyze. **(150 words) 10**

एक राजनैतिक शक्ति के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी काफी लंबे समय से मृत थी, 1858 के अधिनियम ने बस इसका शिष्टतापूर्वक अंतिम संस्कार किया। विश्लेषण कीजिए।

ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने बक्सर के युद्ध के पश्चात 1765 में भारत में बंगाल की राजनीतिक एवं दीवानी शक्ति प्राप्त की।

परन्तु समय समय पर ब्रिटिश संसद ने अनेक कानूनों के माध्यम से इसकी राजनीतिक शक्ति को सीमित करने का प्रयास किया -

→ रेग्युलेटिंग एक्ट में युद्ध व राजस्व खातों को अलग करने का प्रावधान

→ बोर्ड ऑफ कंट्रोल का गठन करके युद्ध व संधि की शक्ति ले ली गई

→ चार्टर एक्ट, 1893 व 1813 के माध्यम से व्यापार एकाधिकार का समापन

परन्तु इसके बावजूद भी कंपनी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ने इस दौरान अनेक राजनीतिक कार्य किए

→ मराठा, मैसूर, सिख राज्यों का अधिग्रहण

→ अनेक रियासतों का कंपनी राज्य में विलय जैसे अवध (1802) विलय

→ सहायक संधियों का क्रियान्वयन

परन्तु ये सभी क्रियाकलाप ब्रिटिश संसद की निगरानी में किए जाते थे तथा अंततः 1858 के भारत शासन अधिनियम के माध्यम से सत्ता का हस्तांतरण कंपनी से ब्रिटिश ताज को कर दिया गया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. The Spanish Civil War (1936-1939) though fought locally, had far reaching and widespread significance. Explain. **(150 words) 10**

यद्यपि स्पेन का गृह-युद्ध (1936-1939) स्थानीय स्तर पर लड़ा गया था, तथापि इसका दूरगामी और व्यापक महत्व था। व्याख्या कीजिए।

यह स्पेन के तानाशाह व वहां की जनता के बीच युद्ध था।

स्पेन के गृहयुद्ध का प्रभाव-

→ द्वितीय विश्व युद्ध में मित्रराष्ट्रों को समर्थन की प्राप्ति

→ हिटलर द्वारा स्पेन के तानाशाह का समर्थन जिससे मित्र देशों व जर्मनी के मध्य तनाव में वृद्धि

→ तानाशाही सरकारों के प्रति विरोध व लोकतंत्र की मांग में वृद्धि

→ 2nd विश्वयुद्ध में स्पेन की जनता का मित्र देशों का साथ देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Discuss how the culture of consumption has played a crucial role in the process of globalisation especially in shaping the growth of cities in India.
(150 words) 10

चर्चा कीजिए कि कैसे उपभोक्तावादी संस्कृति ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया में, विशेषकर भारत में शहरों के विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उपभोक्तावादी संस्कृति के अंतर्गत वस्तुओं व सेवाओं के अधिकाधिक उपयोग एवं संसाधनों के अधिकाधिक दोहन का प्रयास किया जाता है।

वैश्वीकरण के बाद ~~अनेक~~ देशों पूरे विश्व के बाजारों के एकीकृत होने के कारण इस प्रकार की प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हुई। आज व्यक्ति अपनी मनपसंद की कोई भी वस्तु किसी भी समय प्राप्त कर सकता है।

इस उपभोक्तावादी प्रवृत्ति ने भारतीय शहरों की भौतिक एवं सांस्कृतिक संरचना को निम्नलिखित प्रकार से आकार दिया है-

→ लोगों के द्वारा अत्यधिक वाहनों की खरीद के कारण शहरों में जाम व प्रदूषण की समस्या

→ प्लास्टिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के सामानों के प्रयोग के कारण ई-कचरा प्रदूषण व प्लास्टिक प्रदूषण

→ अधिकाधिक संपत्ति प्राप्त करने के लालच के कारण भ्रष्टाचार एवं अपराधों में वृद्धि

→ शहरों में सुविधाजनक जीवनशैली जैसे ए.सी. के प्रयोग के कारण जलवायु परिवर्तन

सकारात्मक पक्ष.

→ जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि

→ आर्थिक विकास स्तर में वृद्धि

~~इस प्रकार~~

अतः उपभोक्तावादी संस्कृति पर नियन्त्रण लगाने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि यह पर्यावरण एवं समाज के व्यापक हित के प्रति संवेदनशील प्रतीत नहीं होती।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Although it was outlawed 25 years ago, manual scavenging continues to be prevalent in India. Analysing the reasons behind this problem, discuss what can be done to address it. **(150 words) 10**

यद्यपि 25 वर्ष पूर्व ही सिर पर मैला ढोने की प्रथा को गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था, तथापि भारत में यह प्रथा अभी भी प्रचलित है। इस समस्या के पीछे उत्तरदायी कारणों का विश्लेषण करते हुए, चर्चा कीजिए कि इससे निपटने के लिए क्या किया जा सकता है।

भारत में मैला ढोने की प्रथा मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है तथा 1990 के दशक में इसके लिए कानून बनाकर इसे गैर-कानूनी घोषित किया गया परन्तु यह प्रथा वर्तमान में भी देश के अनेक भागों में व्याप्त है -

उत्तरदायी कारण.

(i) कानून के क्रियान्वयन में सरकारी संस्थाओं एवं पुलिस की अप्रभाविता

(ii) समाज की निचली जातियों में व्याप्त गरीबी व बेरोजगारी जिसके कारण वे ऐसा काम करने को मजबूर होते हैं

(iii) समाज में जाति-प्रथा का प्रचलन

(iv) अशिक्षा एवं जागरूकता की कमी

(v) मीडिया एवं सिविल सोसायटी की मुद्दें

के प्रति असंवेदनशीलता

निपटने हेतु उपाय

(i) अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु सरकारी संस्थाओं की संवेदनशीलता में वृद्धि
(ii) मैला ढोने वालों के पुनर्वास एवं कौशल प्रशिक्षण को प्रोत्साहन
(iii) गरीबी एवं बेरोजगारी में कमी लाने का प्रयास
(iv) समाज में शिक्षा व जागरूकता का प्रयास जिसमें सिविल समाज की भागीदारी महत्वपूर्ण

इसी के साथ सरकार की मैला ढोने वालों के लिए पुनर्वास योजना का भी समुचित क्रियान्वयन आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Explain the concept of soil liquefaction. Illustrate how it manifests during seismic events. What preventive steps can be taken to minimise its impact? **(150 words) 10**

मृदा द्रवीकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समझाइए कि भूकंपीय घटनाओं के दौरान यह कैसे प्रकट होता है। इसके प्रभावों को कम करने के लिए कौन-से सुरक्षात्मक कदम उठाए जा सकते हैं?

विभिन्न कारणों से मृदा द्रव की भांति व्यवहार करने लगती है तथा इसके ऊपर स्थित संरचनाएं इसके अन्दर धंस जाती है।

इसमें मृदा की अपरूपण शक्ति (shear strength) शून्य हो जाती है।

इस प्रकार की परिघटना मुख्यतः भूकंप के दौरान पैदा होती है। भूकंप की घटना के दौरान प्राथमिक एवं द्वितीयक तरंगों के द्वारा मृदा पर बल आरोपित किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप इसके संगठन में लचीलापन आता है जिससे यह द्रव की भांति व्यवहार करती है

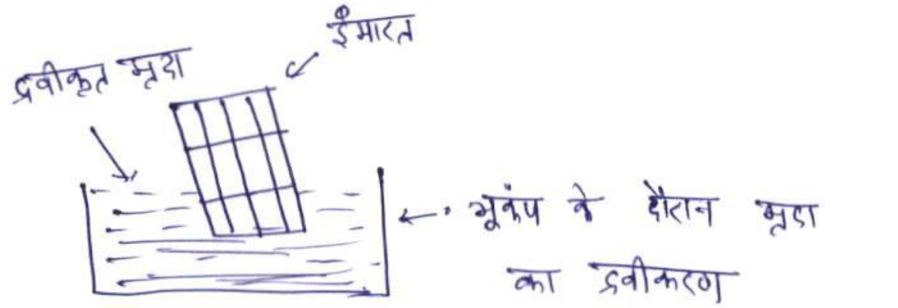

प्रभाव -

(i) इमारतों को भूमि में धंसाव

(ii) आधारभूत संरचना का नुकसान

(iii) बांधों के टूटने के कारण बाढ़

बचाव के उपाय -

(i) ~~द्रवण~~ ~~के~~ यह सामान्यत: चीका मिट्टी में ज्यादा होता है अत: ऐसी जगह पर मिट्टी में बजरी की मिलावट करना

(ii) द्रवीकरण वाली ~~जगह~~ संभावित जगहों पर निर्माण कार्य पर रोक

इसी के साथ पूर्व चेतावनी के माध्यम से इसके प्रभावों को कम करने का प्रयास किया जा सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Identify the factors that determine density of ocean waters. Discuss the latitudinal distribution of density and explain the seasonal changes that occur, if any. Also, illustrate its relationship with ocean currents.

(150 words) 10

महासागरीय जल के घनत्व को निर्धारित करने वाले कारकों की पहचान कीजिए। घनत्व के अक्षांशीय वितरण पर चर्चा कीजिए और इसमें होने वाले मौसमी परिवर्तनों (यदि कोई हो) की व्याख्या कीजिए। साथ ही, महासागरीय धाराओं के साथ इसके संबंध को उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समझाइए।

महासागरीय जल के द्रव्यमान एवं आयतन के अनुपात को महासागरीय जल घनत्व कहते है।

निर्धारित करने वाले कारक-

(i) तापमान - तापमान कम तो घनत्व ज्यादा
(ii) दाब - दाब ज्यादा तो घनत्व ज्यादा
(iii) लवणता - लवणता ज्यादा तो घनत्व ज्यादा
(iv) अवसादों की मात्रा - ज्यादा होने पर घनत्व ज्यादा

अक्षांशीय वितरण.

भूमध्यरेखा पर ताप ज्यादा होने के कारण घनत्व कम पाया जाता है। ध्रुवों की ओर जाने पर तापमान में कमी के कारण घनत्व में वृद्धि होती है परन्तु उपोष्णीय कटिबंधीय क्षेत्रों में

तापमान के अत्यधिक होने के कारण यहां घनत्व न्यूनतम पाया जाता है।

मौसमी परिवर्तन,

(i) वाष्पीकरण को प्रभावित करता है

(ii) महासागरीय धाराओं के उद्भव में सहायक

(iii) खारापन व जल के ऊर्ध्वगमन व अधोगमन में सहायक

महासागरीय धाराओं के साथ संबंध

महासागरीय धाराएँ

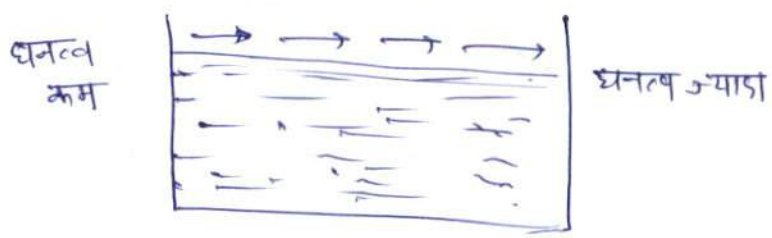

घनत्व कम होने पर वहाँ जल का तल ऊपर उठ जाता है जिससे महासागरीय धाराओं का गमन कम घनत्व वाले स्थान से ज्यादा घनत्व वाले स्थान की ओर होता है।

जैसे- गल्फ स्ट्रीम कम घनत्व वाले विषुवतीय क्षेत्र से ज्यादा घनत्व वाले ध्रुवीय क्षेत्र की ओर चलती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Explain how the scientific understanding of the earth's interior has improved with analysis of seismic waves. **(150 words) 10**

व्याख्या कीजिए कि कैसे भूकंपीय तरंगों के विश्लेषण से पृथ्वी के आंतरिक भाग की वैज्ञानिक समझ में सुधार आया है।

पृथ्वी की आंतरिक संरचना का प्रत्यक्ष ज्ञान असंभव है अतः भूकंपीय तरंगों के माध्यम आंतरिक भाग की वैज्ञानिक समझ प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है

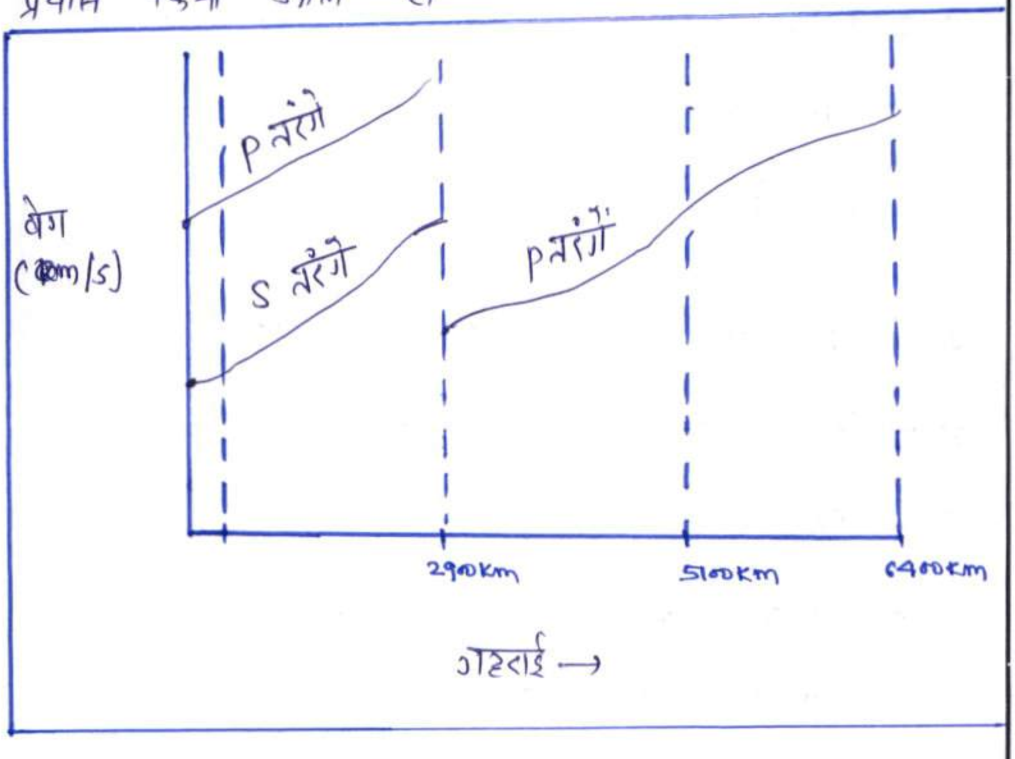

चित्र: पृथ्वी के अन्दर भूकंपीय तरंगों की गति

→ भूपर्पटी व स्थलमण्डल में P व S दोनों तरंगों की गति में वृद्धि होती है अतः यह ठोस है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ अनेक जगहों पर वेग में अचानक परिवर्तन होने से पता लगता है कि पृथ्वी अनेक संकेन्द्रीय परतों में विभाजित है

→ 2900 km के बाद S तरंगों की अनुपस्थिति → बाहरी कोड द्रवित अवस्था में है।

→ P तरंगों के वेग में निरंतर वृद्धि दर्शाती है कि केन्द्र की ओर जाने पर घनत्व में निरन्तर वृद्धि होती है।

→ तरंगों के परावर्तन एवं अपवर्तन से सिद्ध होता है कि पृथ्वी अनेक पदार्थों से मिलकर बनी है।

इसी आधार पर पृथ्वी को तीन मुख्य परतों में विभाजित किया गया

- स्थलमण्डल
  → मोहोवेरिक असांतत्यता
- दुर्बलमण्डल
  → गुटेनबर्ग असांतत्यता
- कोर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Highlight the key factors that need to be considered in deciding the location of nuclear power plants. Also, explain the difficulties India faces in utilizing the large reserves of thorium as part of its civil nuclear programme. **(150 words) 10**

नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों की अवस्थिति निर्धारित करने में विचार किए जाने वाले महत्वपूर्ण कारकों पर प्रकाश डालिए। साथ ही, असैन्य परमाणु कार्यक्रम के भाग के रूप में थोरियम के विशाल भंडार का उपयोग करने में भारत के सामने आने वाली कठिनाइयों की भी व्याख्या कीजिए।

नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों में रेडियोएक्टिव पदार्थों के माध्यम से ऊर्जा प्राप्त की जाती है।

अवस्थिति निर्धारित कारक

(i) कच्चे माल की आपूर्ति - यूरेनियम के उपलब्ध स्थानों या तटीय स्थानों पर ताकि आयात द्वारा कच्चा माल प्राप्त हो

(ii) पर्याप्त जल की उपलब्धता

(iii) सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें आबादी वाले स्थानों से दूर स्थापित किया जाता है

(iv) अपशिष्ट पदार्थों का निपटान

(v) तकनीकी व पूंजी की उपलब्धता

थोरियम के भारत के पास विश्व के सर्वाधिक सतह भण्डार व्याप्त है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कठिनाइयाँ

→ प्रौद्योगिकी का अभाव (आयात करना पड़ेगा)
→ पूँजी का अभाव
→ निष्कर्षण हेतु तकनीक की कमी

इसी को देखते हुए भारत द्वारा अपने तीन चरणीय परमाणु कार्यक्रम के अंतर्गत 'एडवांस हैवी वाटर रिएक्टर' का विकास अनुसंधान के चरणों में है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Both the Pallavas and the Cholas played a significant role in the development of structural temples in South India. Explain with examples. **(250 words) 15**

पल्लव और चोल दोनों ने दक्षिण भारत में संरचनात्मक मंदिरों के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए।

दक्षिण भारत में द्रविड़ शैली के मन्दिरों का निर्माण किया गया जिसमें पल्लव काल के दौरान प्रारंभिक विकास हुआ जबकि चोल काल के दौरान चरमोत्कर्ष को प्राप्त हुआ।

पल्लव काल के अनेक शासकों जैसे नरसिंहवर्मन, महेन्द्रवर्मन, राजसिंह इत्यादि के शासन के दौरान द्रविड़ शैली के मन्दिरों का निर्माण किया गया।

इस दौरान मूर्तिकला व मन्दिर के स्थापत्य में विमान, गोपुरम, गर्भगृह के निर्माण पर बल दिया जाता था।

निर्मित प्रमुख मन्दिर

(i) तमिलनाडु का शोर (shore) मन्दिर (शिव मन्दिर)

(ii) मामल्लपुरम में मन्दिर

(iii) कांची में विभिन्न मन्दिरों जिसमें

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शिव मन्दिर एवं विष्णु मन्दिर प्रसिद्ध है

(iv) महाबलिपुरम के रथ मंदिर

इसके पश्चात चोल शासकों ने द्रविड़ शैली के संरचनात्मक मन्दिरों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन्होंने मन्दिरों के निर्माण में विशालता एवं भव्यता का समावेशन किया तथा मूर्तिकला एवं अलंकरण पर विशेष बल दिया गया।

संगमरमर के पत्थरों का प्रयोग किया जाता है तथा मन्दिर स्थापत्य के सभी अंग जैसे विमान, गोपुरम, गर्भगृह, तालाब, प्रदक्षिणा पथ इत्यादि इन मन्दिरों में विद्यमान थे

→ इस दौरान अनेक शासकों के काल के दौरान अनेक शैलियों का जन्म हुआ

जैसे. कुलोतुंग से राजराज तक

→ राजराज चोल के दौरान व बाद

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ महान चोल राजराज ने बृहदेश्वर मन्दिर का निर्माण करवाया जो संगमरमर के पत्थरों से निर्मित एवं विशाल मन्दिर है

→ इसी के साथ इन्होंने पत्तडकल में अनेक मन्दिरों का निर्माण करवाया

इस प्रकार पल्लवों एवं चोलों ने संरचनात्मक मन्दिरों के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई थी जो आज भी भारत के लिए अमूल्य विरासत के रूप में विद्यमान है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The views of Gandhi, Nehru and Bose broadly represented the major strands of debate on the question of India's support to British efforts in World War-II. Elucidate. **(250 words) 15**

गांधी, नेहरू और बोस के विचारों ने द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश प्रयासों के प्रति भारत के समर्थन के प्रश्न पर वाद-विवाद से संबंधित प्रमुख पहलूओं का व्यापक रूप से प्रतिनिधित्व किया। स्पष्ट कीजिए।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान उसमें भारतीयों को शामिल होने के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीय नेताओं के विचारों के मध्य मतभेद विद्यमान था।

गांधीजी इस दौरान अगस्त प्रस्ताव के असफल होने के पश्चात एक व्यापक आंदोलन की बजाय व्यक्तिगत सत्याग्रह पर बल देने के समर्थक थे तथा वे अंग्रेजों की इस युद्ध में कमजोर स्थिति का अनैतिक लाभ उठाने के विरोधी थे।

गांधीजी ने इस बात पर कि, भारतीयों को अपने संविधान का निर्माण करने का अधिकार दिया जाएगा, निश्चित थे और उसके पश्चात ही युद्ध में शामिल होने के समर्थक थे।

सुभाष चन्द्र बोस कांग्रेस से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस्तीफा देने के पश्चात आजाद हिन्द फौज से जुड़ चुके थे तथा वे मानते थे कि भारतीयों को अंग्रेजों के साथ युद्ध में शामिल नहीं होना चाहिए तथा अंग्रेजों की कमजोरी का फायदा उठाकर स्वतंत्रता प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

वे इसके लिए जापानियों का समर्थन लेने के लिए भी तैयार थे तथा उन्होंने भारत के उत्तर-पूर्वी भाग की तरफ से अंग्रेजों पर आक्रमण कर दिया।

वहीं जवाहरलाल नेहरू काफी हद तक गांधीजी के विचारों से सहमत थे तथा उन्होंने व्यक्तिगत सत्याग्रह में भाग भी लिया परन्तु वे मानते थे कि अंग्रेजों की कमजोरी को देखते हुए भारतीयों को अपनी मांगों को मनवाने का दृढ़ प्रयास करना चाहिए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तथा उसी के बाद मुद्दे में शामिल होने के बारे में विचार किया जाना चाहिए।

इस प्रकार परस्पर विचारों में मतभेदों के बावजूद भी ये तीनों नेता भारत के व्यापक हित के बारे में सोचते थे तथा अलग-अलग मार्गों के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Even as the British tried to suppress it at every conceivable opportunity, the vernacular press played a crucial role in the freedom movement. Discuss. **(250 words) 15**

भले ही अंग्रेजों ने प्रत्येक संभाव्य अवसर पर इसके दमन का प्रयत्न किया, फिर भी वर्नाकुलर प्रेस (भारतीय भाषा समाचार पत्र) ने स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चर्चा कीजिए।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में देशी प्रेस ने विचारों के प्रसार के माध्यम से अपनी निर्णायक भूमिका निभाई। इस दौरान मराठी, बांग्ला, हिन्दी, तेलगू इत्यादि भाषाओं में पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता था।

अंग्रेजों ने इस पत्रकारिता के खतरे को देखते हुए इन पर समय-समय पर अनेक प्रतिबन्ध लगाए जैसे -

(i) लाइसेंसिंग एक्ट, 1823

(ii) वर्नाकुलर प्रेस एक्ट, 1878. लार्ड लिटन के कार्यकाल के दौरान जमानत के आधार पर वर्नाकुलर प्रेस को लाइसेंस दिया जाता था तथा अंग्रेजों के विरुद्ध प्रकाशन करने

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर जमानत जब्त कर ली जाती थी। इसके माध्यम से अनेक देशी समाचार पत्रों पर प्रतिबन्ध लगाया गया जैसे अमृत बाजार पत्रिका, सोमप्रकाश इत्यादि

(ग) भारतीय प्रेस एक्ट, 1908

परन्तु इन प्रतिबन्धों के बावजूद भी देशी (वर्नाकुलर) पत्रकारिता ने निम्नलिखित प्रकार से राष्ट्रीय आंदोलन में अपनी भूमिका का निर्वहन किया-

→ वे स्वदेशी के विचार को स्थानीय भाषा के माध्यम से लोगों के मध्य प्रसारित करते थे जैसे बंगाल विभाजन के दौरान

→ अनेक क्रान्तिकारी बम बनाने की प्रक्रिया का प्रसार इनके माध्यम से करते थे

→ धन के निष्कासन के सिद्धान्त का सरल व स्थानीय भाषा में लोगों के मध्य प्रसार किया गया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ तिलक ने केसरी के माध्यम से राष्ट्रीयता का प्रसार किया

→ इसी के साथ असहयोग आंदोलन, होमरूल आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन इत्यादि के दौरान भी इनकी प्रभावशाली भूमिका थी।

अतः देशी प्रेस ने प्रतिबन्धों के बावजूद भी अपना महत्वपूर्ण जारी रखा तथा जनता के मध्य विचारों के सरलीकृत रूप में प्रसार के माध्यम से जनमत निर्माण में अपनी भूमिका निभाई।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Explain the issues that shaped the Assam Movement. In this context, also comment on the significance of the Assam Accord of 1985. **(250 words) 15**

असम आंदोलन को आकार देने वाले मुद्दों की व्याख्या कीजिए। इस संदर्भ में, 1985 के असम समझौते के महत्व पर भी टिप्पणी कीजिए।

हाल ही में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) का प्रथम अद्यतन ड्राफ्ट सार्वजनिक किया गया जो वैध भारतीय नागरिकों के नामों की सूची है।

असम आंदोलन को आकार देने वाले प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित है

→ ~~बांग्लादेश के~~ पूर्वी पाकिस्तान के निर्माण के दौरान अनेक शरणार्थियों का असम में प्रवेश

→ ~~बां~~ 1971 में बांग्लादेश के निर्माण के दौरान हिंसा के फलस्वरूप लाखों अवैध प्रवासियों का असम में प्रवेश।

→ स्थानीय जनांकिकीय संरचना तथा सामाजिक संरचना ~~के~~ में बदलाव तथा उसके पश्चात

विभिन्न वर्गों में तनाव

→ असमवासी मानते है कि ये विदेशी लोग उनके संसाधनों एवं आजीविका को छीन रहे है तथा उनकी संस्कृति को नष्ट कर रहे है

→ इसी के परिणामस्वरूप असम में असम गण संग्राम परिषद तथा AASU जैसे संगठनों द्वारा हिंसक आंदोलन

इसी तनाव को देखते 1985 में हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी तथा असम आंदोलन के नेताओं के मध्य एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए-

समझौते के प्रावधान

→ 25 मार्च, 1971 के बाद असम में प्रवेश करने वाले शरणार्थियों का निष्कासन

→ 1961 व 25 मार्च, 1971 के बीच आने वाले

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोगों के मताधिकार का 10 वर्षों हेतु निलंबन

→ 1983 के चुनावों को रद्द करके नई मतदाता सूची के अनुसार चुनाव

समझौते का महत्व

→ असम में शांति स्थापना तथा नयी लोकतांत्रिक सरकार का गठन

→ उत्तर-पूर्व में शांति स्थापना से क्षेत्रीय स्थायित्व में वृद्धि

→ सामरिक रूप से यह समझौता अत्यन्त महत्वपूर्ण क्योंकि यह चीन के पास स्थित है।

हालांकि इस समझौते को लागू करने में राजनीतिक नेतृत्व में इच्छाशक्ति के अभाव के फलस्वरूप अपेक्षित परिणामों को प्राप्त नहीं किया जा सका। इसलिए NRC का ईमानदारी पूर्वक क्रियान्वयन अत्यन्त आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Discuss the diverse processes through which nation-states and nationalism came into being in nineteenth-century Europe. **(250 words) 15**

उन विभिन्न प्रक्रियाओं की चर्चा कीजिए जिनके माध्यम से उन्नीसवीं शताब्दी के यूरोप में राष्ट्र-राज्य और राष्ट्रवाद अस्तित्व में आया।

19 वीं शताब्दी के दौरान यूरोप के अनेक राज्यों में राष्ट्रवाद की भावना का प्रसार हुआ तथा अनेक नवोदित राष्ट्रों का गठन हुआ जिसमें जर्मनी का एकीकरण तथा इटली का एकीकरण प्रमुख घटनाएं हैं।

इसके पीछे निम्नलिखित प्रक्रियाओं का प्रमुख योगदान था -

→ अमेरिकी क्रान्ति तथा फ्रांसीसी क्रांति की सफलता के फलस्वरूप इन राज्यों में लोकतंत्र की भावना, मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रता की अवधारणा इत्यादि का प्रसार हुआ तथा लोगों में राष्ट्रीय गौरव प्राप्त करने की प्रबल इच्छा जागृत हुई

→ इटली के लोग निरंकुश राजाओं को अपनी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रगति में बाधक मानते थे तथा वे एकीकरण के माध्यम से एक सशक्त इटली का निर्माण करना चाहते थे ताकि राष्ट्र की प्रगति व लोगों की समृद्धि सुनिश्चित हो

→ जर्मनी के लोग भी आस्ट्रिया को अपनी प्रगति में अवरोध के ~~माध्यम~~ मानते थे तथा वे फ्रांस की क्रान्ति से प्रभावित थे

→ अनेक दार्शनिकों जैसे मॉंटेस्क्यू, रूसो, जॉन लॉक, मैजिनी इत्यादि ने लोगों में अपने राष्ट्रवादी विचारों का प्रसार किया। इन्हीं विचारों के परिणाम स्वरूप यूरोप के अनेक राज्यों में निरंकुश राजाओं के खिलाफ क्रान्तियों का दौर (1818, 1830, 1850) चला

→ इसी के साथ निरंकुश राजाओं के शासन के दौरान जनता परेशान थी तथा वो इनसे स्वतंत्रता प्राप्त कर अपनी प्रगति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एवं गौरव सुनिश्चित करना चाहती थी

→ इसी के साथ इंग्लैण्ड की गौरवशाली क्रान्ति भी लोगों को काफी प्रभावित करती थी

इन्हीं राष्ट्रवादी विचारों के कारण लोग अपने अधिकारों के प्रति सशक्त एवं जागरूक हुए जिसने इटली तथा जर्मनी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परन्तु साथ ही इस भावना ने प्रथम विश्वयुद्ध का कारण बनने में भी अपना योगदान दिया

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Discuss why women continue to bear an uneven burden of the terminal methods of family planning in India. What can be done to address this unevenness? **(250 words) 15**

चर्चा कीजिए कि भारत में महिलाओं द्वारा परिवार नियोजन के टर्मिनल तरीकों का असमान बोझ उठाया जाना क्यों जारी है। इस असमानता को दूर करने के लिए क्या किया जा सकता है?

भारत में परिवार नियोजन का पुरुषों एव महिलाओं पर समान बोझ नही है।

→ गर्भनिरोधकों के प्रयोग के मामले में महिलाओं पर ज्यादा दबाव बनाया जाता है जबकि पुरुषों को इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया जाता है

→ नसबन्दी जैसी प्रक्रिया में भी महिला नसबन्दी पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है जबकि पुरुषों की नसबंदी को अनदेखा कर दिया जाता है

→ परिवार के स्वास्थ्य एवं बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी भी महिलाओं पर ज्यादा होती है जिससे उनकी कार्यक्षमता नकारात्मक रूप में प्रभावित होती है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ गर्भपात के दौरान महिला पर ज्यादा दबाव बनाया जाता है

अभमानता को दूर करने के उपाय-

(i) पुरुषों द्वारा भी निरोध उपायों का प्रयोग करने पर बल

(ii) पुरुष नसबन्दी पर भी बल देकर जिम्मेदारी देना

(iii) बच्चों की देखभाल में पुरुषों की भागीदारी को पहचान

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Secularism in India is based on the idea of equal respect for all religions rather than strict separation of state and religion. Critically discuss. **(250 words) 15**

भारत में पंथनिरपेक्षता, राज्य और धर्म के कठोर पृथक्करण के बजाय सभी धर्मों के प्रति समान आदर के विचार पर आधारित है। आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

पंथनिरपेक्षता की कोई निश्चित परिभाषा नहीं होती। इसको सामान्यतः विभिन्न पंथों के प्रति निष्पक्ष व्यवहार के रूप में परिभाषित किया जाता है।

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में पंथनिरपेक्षता का उल्लेख है तथा कहा जाता है कि राज्य का ~~कोई~~ अपना कोई धर्म नहीं है तथा यह सभी धर्मों के प्रति समान व्यवहार करेगा। इसी अवधारणा को संविधान के अनुच्छेदों (25-28) तथा (29-30) में भी शामिल करने का प्रयास किया गया है।

परन्तु भारत में राज्य को पूर्णतः धर्म से पृथक नहीं किया गया। इसको निम्नलिखित बिन्दुओं के माध्यम से समझा जा सकता है–

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ राज्य द्वारा हज हेतु सब्सिडी दी जाती है तथा साथ ही अमरनाथ यात्रा एवं गुरुद्वारा यात्रा हेतु भी सहायता दी जाती है

→ धर्मों के विभिन्न त्यौहारों के दौरान सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की जाती है

→ सती प्रथा, बाल विवाह इत्यादि प्रथाओं का तथा हाल ही तलाक-ए-बिद्दत की अवधारणा की समाप्ति

परन्तु इनके साथ ही साथ राज्य सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करने को प्रतिबद्ध है तथा अल्पसंख्यकों के विकास के लिए विशेष प्रावधान भी किए गए हैं।

धर्मनिरपेक्षता के व्यवहार के कारण अनेक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है जैसे.

(i) विभिन्न धर्मों में व्याप्त कुरीतियों के

समापन के दौरान धार्मिक संस्थाओं का विरोध जैसे तीन तलाक, बहुविवाह (Polygamy), सती प्रथा प्रतिबन्ध; जाति प्रथा उन्मूलन इत्यादि का धार्मिक संगठनों का विरोध

इसके बावजूद भी राज्य सभी धर्मों से समान व्यवहार करने का प्रयास करता है जो भारत की एक लोकतांत्रिक विशिष्टता है तथा इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट द्वारा पंथनिरपेक्षता की अवधारणा को संविधान के आधारभूत ढांचे के अंतर्गत भी शामिल किया गया है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. What are jet streams? How do they influence rainfall in India?

(250 words) 15

जेट स्ट्रीम क्या हैं? वे भारत में वर्षा को कैसे प्रभावित करती हैं?

क्षोभमण्डलीय सीमा के निकट ~~@~~ तेज गति से विसर्पण करती हुई पवनों को जेट स्ट्रीम कहा जाता है। इनकी खोज द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान की गई थी।

विशेषताएँ

→ तेज गति

→ पश्चिम से पूर्व की ओर गति

→ वायु कर्तन तथा केन्द्र में तेज व परिधि में कम गति

→ श्रृंग व गर्तों का निर्माण

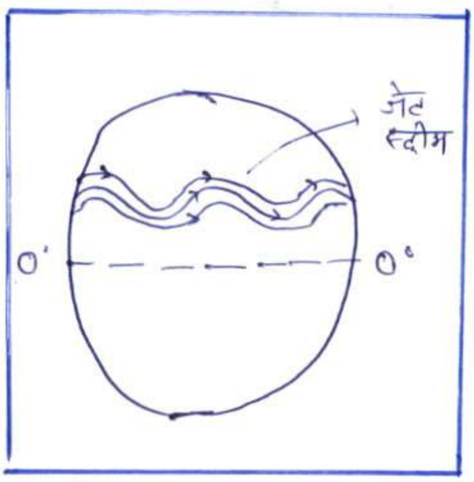

जेट स्ट्रीम का ~~निर्माण~~ विकास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शोभमण्डल सीमा के निकट फेरेल एवं हेडली कोशिका के अभिसरण के परिणामस्वरूप होता

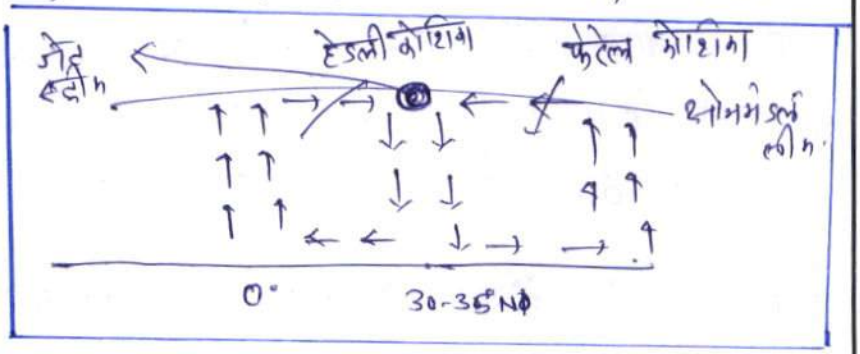

जब दो विपरीत स्वभाव वाली हवाएँ एक दूसरे की ओर अभिसरित होती है तो वाताग्र निर्माण की प्रक्रिया होती है। जब ये हवाएँ एक दूसरे के क्षेत्र में प्रवेश का प्रयत्न करती हैं तो विसर्पण का निर्माण होता है। इसी के साथ कोरियोलिस बल के परिणामस्वरूप इनकी गति पश्चिम से पूर्व की ओर हो जाती है इसलिए इन्हे 'जियोस्ट्रोफिक पवनें' भी कहा जाता है।

ये पवनें वैश्विक मौसम के साथ-साथ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारतीय मौसम को भी काफी प्रभावित करती है

→ शीत ऋतु के दौरान पश्चिम विक्षोभों या चक्रवातों को भारत में लाकर वर्षा का कारण बनती है। भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में इस वर्षा को मावठ कहा जाता है।

→ ग्रीष्मकाल के दौरान जेट स्ट्रीम का हिमालय के उत्तर में विस्थापन हो जाता है जिसके परिणामस्वरूप मानसून गर्त के निर्माण के कारण मानसूनी वर्षा होती है।

→ उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम के कारण भारतीय मानसून का उद्भव व विकास माना जाता है।

अतः जेट स्ट्रीम अपनी विशेषताओं के माध्यम से मौसम को प्रभावित करके अर्थव्यवस्था तथा जनजीवन पर गहरा प्रभाव डालती है।

19. Illustrating the mountain building process that led to the formation of Himalayas, elaborate why they are often referred to as young and restless mountains. **(250 words) 15**

हिमालय का निर्माण करने वाली पर्वत निर्माण की प्रक्रिया की सचित्र व्याख्या करते हुए, सविस्तार वर्णन कीजिए कि प्रायः इन्हें क्यों युवा और अशांत पर्वतों के रूप में संदर्भित किया जाता है।

हिमालय पर्वत भारत के उत्तरी भाग में चापाकार आकृति में स्थित है। इसके निर्माण के पीछे अनेक सिद्धान्त प्रचलित है परन्तु प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त सर्वमान्य है।

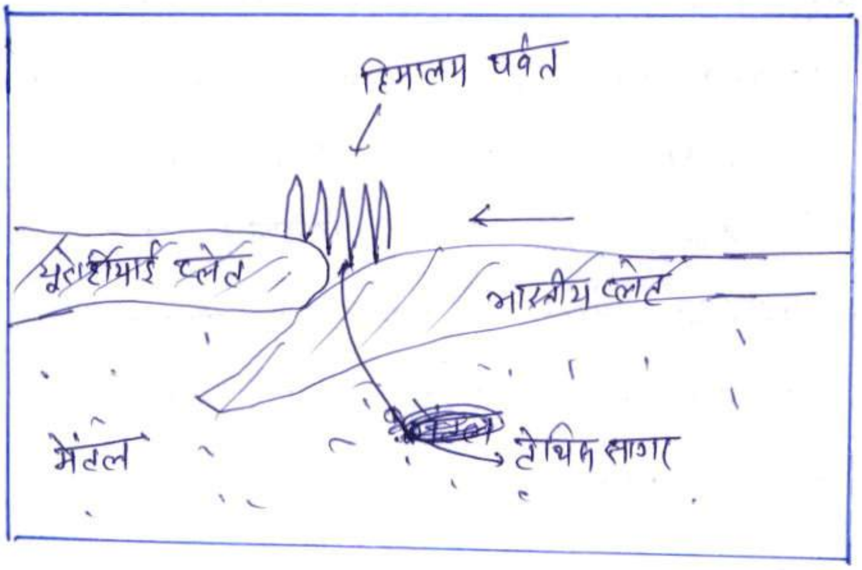

मॉर्गन, पारकर इत्यादि विद्वानों का मानना है कि स्थलमण्डल अनेक प्लेटों से बना है जो दुर्बलतामण्डल पर प्रवाहित है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारतीय प्लेट एवं यूरेशियाई प्लेट के मध्य टेथिस सागर विद्यमान था। कालान्तर में भारतीय प्लेट के यूरेशियाई प्लेट की ओर गति करने तथा भारी होने के कारण यूरेशियाई प्लेट के नीचे क्षेपण हो गया।

इसके पश्चात टेथिस सागर के अवसादों पर दबाव पड़ने के कारण इनका वलन हो गया तथा हिमालय पर्वत का निर्माण हुआ। हिमालय पर्वत का निर्माण एक साथ न होकर अनेक चरणों में संपन्न हुआ तथा हिमालय की अनेक समानान्तर श्रंखलाओं और ट्रांस हिमालय, महान हिमालय, लघु हिमालय तथा शिवालिक का निर्माण हुआ।

~~~~ तृतीयक युग के पश्चात ही हिमालय का निर्माण प्रारंभ हुआ जो आज भी जारी है तथा भारतीय प्लेट वर्तमान में भी यूरेशियाई
~~~~

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्लेट के नीचे क्षेपित हो रही है इसी कारण यह क्षेत्र विवर्तनिकी दृष्टि से अस्थिर है।

इसी के साथ नदियाँ यहाँ पर गहरे गॉर्जों का निर्माण करती है जो इन पर्वत की युवावस्था का प्रतीक है। क्योंकि हिमालय पर्वत आज भी उठ रहा है

इस प्रकार हिमालय ~~प्रकार~~ पर्वत एक प्रकार का वलित पर्वत है जो संसार की सबसे ऊंची चोटी को समाहित करता है तथा क्षेत्र विशेष की जलवायु, संस्कृति तथा अपवाह का विभाजक है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. What do you understand by Integrated Water Resources Management (IWRM)? How does National Water Policy, 2012 try to promote IWRM?

(250 words) 15

एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन (IWRM) से आप क्या समझते हैं? राष्ट्रीय जल नीति, 2012 कैसे IWRM को बढ़ावा देने का प्रयास करती है?

जल संसाधनों के अंतर्गत सतही जल संसाधन तथा भूमिगत जल संसाधनों को सम्मिलित किया जाता है।

जल संसाधनों के प्रबन्धन के अन्तर्गत जल के सभी स्त्रोतों, प्रक्रियाओं, मांग व आपूर्ति इत्यादि का एकीकृत एवं समुचित प्रबन्धन किया जाता है।

सतही जल संसाधन प्रबन्धन.

सतही जल संसाधनों में नदी, तालाब, झीलें इत्यादि को शामिल किया जाता है। इनके प्रबन्धन के अंतर्गत नदी प्रवाह को बनाये रखने, अवसादन से मुक्ति, प्रदूषण को कम करने, जल प्रवाह का समुचित उपयोग करने पर बल दिया जाता है।

भूमिगत जल संसाधन प्रबन्धन-

भूजल के स्तर के निरंतर गिरते स्तर के कारण भूजल का समुचित प्रबंधन आवश्यक हो गया है। इसके अंतर्गत भूजल के विवेकपूर्ण दोहन, भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संग्रहण, वनारोपण इत्यादि क्रियाकलापों पर बल दिया जाता है

राष्ट्रीय जल नीति, २००२ की कमियों को दूर कर नये परिवेश के अनुसार राष्ट्रीय जल नीति, २०१२ का निर्माण किया गया। इसमें जल संसाधनों की उपलब्धता के आँकलन, उसके विवेकपूर्ण उपयोग तथा उनके समुचित प्रबंधन पर बल दिया गया है.

→ इसमें वर्षा जल संग्रहण की परंपरागत विधियों पर बल दिया गया है

→ नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

से जल संसाधन प्रबन्धन

→ जल को प्रदूषण मुक्त बनाने पर ध्यान

→ वृक्षारोपण पर बल

→ जल प्रबन्धन में प्रौद्योगिकी का प्रयोग जैसे रिमोट सेंसिंग तथा GIS इत्यादि

→ पर्याप्त जनभागीदारी को प्रोत्साहन

नीति आयोग ने अपनी वर्तमान रिपोर्ट (कंपोजिट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स) में भारत के समय भयावह जलसंकट का संकेत दिया है। अतः समन्वित जल प्रबन्धन पर ध्यान देना अनिवार्य प्रतीत होता है।